

उत्तरार्द्ध शासन

राजस्य अनुमाण-१

अधिसूचना

प्र०

संख्या- 163 / XVIII(1)/2016-04(1)/2013

दिनांक: ११ फरवरी, २०१८ ₹०

राज्यपाल, "भारत का गंधिभान" के अनुच्छेद 302 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते उत्तराखण्ड जनीनस्थ राजस्व कार्यपालक (नायब इहसीलदार) से नियमावली, 2009 में अधिकार संशोधन के हुए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

उत्तराखण्ड जनीनस्थ राजस्व कार्यपालक (नायक तहसीलदार) (संरोधन) सेवा नियमावली, 2016

संखित नाम 1.(1) इस नियमावली का रास्तिपाल नाम उत्तराखण्ड अधीनस्थ राजस्व कायपाल
एवं प्रारम्भ (नायब तहसीलदार) (द्वितीय संरोधन) सेवा नियमावली, 2015 है।

(2) यह तुरन्त लागू होगी।

नियम 3 2. मूल नियमावली के नियम 3 खण्ड (ख) में जहां-जहां शब्द अद्यता राजस्व आयुक्त आयुक्त है वहां शब्द अद्यता, राजस्व परिषद, उत्तराधिकार रख दिया जायेगा।

का संग्रहन

नियम 18 का संशोधन 3. पूल नियमावली के नियम 18 में स्तम्भ-1 में दिया गया वर्तमान नियम के रूप
स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा। अर्थात्

संग्रह-1

क्रामान् नियम

18. नियम 15 या नियम 16 के अधीन घरनित अप्पर्याँ ऐसे दिनांक को संस्थान में पद ग्रहण करेंगे, जैसा मुख्य शास्त्र आयुष्मा द्वारा नियत किया जाय, जो सामान्यतः नवम्बर का प्रथम दिवस होगा और इस नियमावली के अधीन नियुक्ति के पूर्व साढ़े चार मास का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

संख्या-२

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियमः

18. नियम 15 या नियम 16 के अध्यनित अभ्यर्थी ऐसो दिनांक संस्थान में पद प्राप्त करेंगे। अब्यर्थी, राजस्व परिषद द्वारा किया जाय, जो सामान्यतः नवम प्रथम दिवस होगा और इस नियम के अधीन तीनाती के पूर्व सामास का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

आज्ञा से

(अमरसु) गर्या
सधिव